हाइकु प्रतियोगिता के उत्तर

www.VidyaSagar.Guru

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न	उत्तर	Checking
प्रश्न 1	प्रश्न 1: पूर्ण पथ लो, ____ को पीठ दे दो, वृत्ति सुखी हो।	पाप	c
प्रश्न 10	प्रश्न 10 : _____ झेलती, जब आपत्ति आती, ज्ञान चिल्लाता?	आस्था	c
प्रश्न 100	प्रश्न 100 : आचार्य श्री जी ने यह नया हाइकु किस दिन सुनाया ?	हिन्दी दिवस	c
प्रश्न 11	प्रश्न 11: रोगी की चिकित्सा होती है ।	गलत	c
प्रश्न 12	प्रश्न 12 : पथ को कभी मिटाना नहीं होता ।	सही	c
प्रश्न 13	प्रश्न 13 : बिना डांट के शिष्य और शीशी का भविष्य सुरक्षित रहता है ।	गलत	c
प्रश्न 14	प्रश्न 14 : नेता की दृष्टि पर -दोषों' पर तथा निजी गुणों में होनी चाहिए ।	गलत	c
प्रश्न 15	प्रश्न 15 : रत्नों के दीप तले अंधेरा होता है।	गलत	c
प्रश्न 16	प्रश्न 16: भोगी भोगो को भोग कर निश्चित होकर सो जाता है ।	सही	c
प्रश्न 17	प्रश्न 17 : शूल द्वेष का प्रतीक होता है और फूल राग का प्रतीक ।	सही	c
प्रश्न 18	प्रश्न 18: परिधि को छूती नपी सीधी रेखाएँ वृत्त बनाती है ।	गलत	c
प्रश्न 19	प्रश्न 19 : आज पंथवाद और जातिवाद से समाज एक होता जा रहा है।	गलत	c
प्रश्न 2	प्रश्न 2: सीना तो तानो, ____ तो बहा दो, सही दिशा में।	पसीना	c
प्रश्न 20	प्रश्न 20: अधिक मात्रा मे अनुकूल आहार भी प्रतिकूल हो जाता हैं ।	सही	c

प्रश्न 21	प्रश्न 21: भारत में बौद्ध धर्म प्रचारकों द्वारा जापान पहुँचा हाइकु । वहां इस विद्या का प्रयोग किया जाता था -	प्रकृति और ईश्वर का वर्णन करने में।	c
प्रश्न 22	प्रश्न 22 : हाइकू कविता छंद में अक्षरों का योग होता है	17	c
प्रश्न 23	प्रश्न 23: बेजोड़ जोड़ने के लिए आचार्य श्री कहते हैं-	उपरोक्त तीनों	c
प्रश्न 24	प्रश्न 24: जगत में आलोचना करने के लिए लोचन है-	हजारों	c
प्रश्न 25	प्रश्न 25: पूज्य आचार्य श्री संघ के क्या हैं?	ज्ञायक	c
प्रश्न 26	प्रश्न 26: पूज्य आचार्य श्री कहते हैं कि साधु होते हैं ।	फलदार वृक्ष के समान	c
प्रश्न 27	प्रश्न 27: पूज्य आचार्य श्री ने एक हाइकु में मिट्टी को उपमा दी है	माँ की	c
प्रश्न 28	प्रश्न 28 : गुरु मार्ग में कौन सी हवा सम हमें चलाते हैं-	इनमें से कोई नहीं	c
प्रश्न 29	प्रश्न 29 : “प्रश्नों से परे अनुत्तर हैं, उन्हें नमन” इस हाइकु को आचार्य श्री ने किस पर्व की महिमा बताते समय कहा था?	श्रुत पंचमी पर्व	c
प्रश्न 3	प्रश्न 3: गुरु ने मुझे, प्रकट कर दिया, _____ दे दिया।	दीया	c
प्रश्न 30	प्रश्न 30: जिस कहानी पर आचार्य श्री ने कछुआ और खरगोश" हाइकू लिखा उसमे कछुआ की जीत हुई थी क्योंकि कछुये ने	घमंड नहीं किया था	c
प्रश्न 31	प्रश्न 31: ध्यान के लिए आवश्यक है -	शांत मन	c
प्रश्न 31	प्रश्न 31: ध्यान के लिए आवश्यक है -	स्थिर मन	c
प्रश्न 31	प्रश्न 31: ध्यान के लिए आवश्यक है -	इनमें से कोई नहीं *	c
प्रश्न 32	प्रश्न 32: _____ में भी, चंदन सम सदा, सुगन्धि बाटूँ।	संघर्ष	c
प्रश्न 33	प्रश्न 33 : मलाई पड़ती है-	प्रशांत दूध में	c

प्रश्न 34	प्रश्न 34: ध्यान करने वाला, ध्यान रखता है –	इनमें से कोई नहीं	c
प्रश्न 35	प्रश्न 35: चाँद और चाँदनी में संबंध होता है-	गुण - गुणी संबंध	c
प्रश्न 36	प्रश्न 36: निद्रा और वासना ये दोनों है -	प्रमाद	c
प्रश्न 37	प्रश्न 37: “उजाले में हैं, उजाला करते हैं” इस हाइकू में पूज्य आचार्य श्री ने किसे नमस्कार किया है?	गुरु को	c
प्रश्न 38	प्रश्न 38 : तूफान आने पर कौन शीर्षासन लगाता है-	बड़	c
प्रश्न 39	प्रश्न 39: कौन सा ज्ञान सही ज्ञान है ?	केवल ज्ञान	c
प्रश्न 4	प्रश्न 4: मूल बोध में, बड़ की जटायें सी, व्याख्यायें न हो। कथन करते समय जो ___ करना चाहते हैं उससे हम दूर न चले जाएँ	विश्लेषण	c
प्रश्न 40	प्रश्न 40: प्रभु भक्ति से पापों का होता हैं	पतझर	c
प्रश्न 41	प्रश्न 41: - भ्रमर से हो ... यह हाइकु किस दान से संबंधित हैं ?	आहार दान से	c
प्रश्न 42	प्रश्न 42: निजी पराये, वत्सों को, दुग्ध-पान, कराती गौ-माँ। इस हाइकू में कौन सा भाव दिखता है ?	वात्सल्य भाव	c
प्रश्न 43	प्रश्न 43: मोक्ष मार्ग में सीढ़ियां है -	गुप्ति	c
प्रश्न 44	प्रश्न 44: सम्यक ज्ञान की आंधी में कौन से कर्म की झोंपड़ी उड़ जाती है ?	मोहनीय	c
प्रश्न 45	प्रश्न 45: ..... पूछो फुलाया क्यों था ? इस हाइकू में	गुब्बारा फुलाया	c
प्रश्न 46	प्रश्न 46: हमारे दोष जिनसे गले घुले या फलें फूलें वे हैं.	बंधु या शत्रु	c
प्रश्न 47	प्रश्न 47: शब्द की यात्रा प्रत्यक्ष से अन्यत्र हमें ले जाती - इस 'हाइकू के द्वारा पू० आचार्य श्री ने एक विद्वान पंडित के समाधि काल के दौरान उन्हें संबोधा था, वह स्थानं हैं-	सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र	c

प्रश्न 48	प्रश्न 48 : एक हाइकू में पूज्य गुरुदेव ने संन्यास की तुलना की है-	दर्पण से	c
प्रश्न 49	प्रश्न 49: बिना विवाह, प्रवाहित हुआ क्या --- वाले हाइकु में संत शिरोमणि ने किस पुरुषार्थ की बात कही।	धर्म	c
प्रश्न 5	प्रश्न 5 : व्यंग का संग, सकलांग से नहीं, विकलांग से। दूसरों पर व्यंग करने वाला निश्चित ही ___ रूप से विकलांग हैं	मानसिक	c
प्रश्न 50	प्रश्न 50: ' 'तक्रः शक्रोपि न लभ्यते' यह कथन आया है	आयुर्वेद ग्रंथ में	c
प्रश्न 51	प्रश्न 51: _____ बनो, सिंह से वन, सिंह, वन से बचा।	पूरक	c
प्रश्न 52	प्रश्न 52: _____का क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय, नहीं, अंतर्जगत् है।	योग	c
प्रश्न 53	प्रश्न 53: खेती-बाड़ी है, _____ की मर्यादा, शिक्षा साड़ी है।	भारत	c
प्रश्न 54	प्रश्न 54: दवा तो दवा, कटु या मीठी जब, _____पान ।	आरोग्य	c
प्रश्न 55	प्रश्न 55: _____ का, सही _____ हो, सही बात है । (एक ही उत्तर जो दोनों रिक्त स्थान की पूर्ति करेगा)	उपयोग	c
प्रश्न 56	प्रश्न 56: ___ न मांगो ,_____ बनाना सीखो ,खिलाके खाओ । (एक ही उत्तर जो दोनों रिक्त स्थान की पूर्ति करेगा)	रोटी	c
प्रश्न 57	प्रश्न 57: सुनो तो सही, पहले यही गुनो, ___ बाद में ।	सोचो	c
प्रश्न 58	प्रश्न 58: मोक्ष मार्ग सो, जटिल तो है किन्तु, _____ नहीं।	कुटिल	c
प्रश्न 59	प्रश्न 59: _____ में बैठूँ, दौड़- ___ से बचूँ, दौड़ होड़ है ।	धूप	c
प्रश्न 6	प्रश्न 6: शब्द पंगु हैं, _____ न देना भी, लाजवाब है।	जवाब	c

प्रश्न 60	प्रश्न 60: ____ हूँ, कुलीनों का कुल हूँ, _____ हूँ (एक ही उत्तर जो दोनों रिक्त स्थान की पूर्ति करेगा)	निराकुल	c
प्रश्न 61	प्रश्न 61: सही क्या, देखने के लिए आँख दिखाना व मूँदना पड़ता है ।	गलत	c
प्रश्न 62	प्रश्न 62: आज कल हम कम समझदार हैं पढ़े लिखे ज्यादा हैं ।	सही	c
प्रश्न 63	प्रश्न 63: चक्रवर्ती भी अज्ञान के कारण समवशरण से लौट आता हैं ।	गलत	c
प्रश्न 64	प्रश्न 64: रेत में नाव चलाना, जल में नाव चलाने के बराबर हैं ।	गलत	c
प्रश्न 65	प्रश्न 65: पर की पीड़ा, नहीं लेती है अपने करुणा की परीक्षा ।	गलत	c
प्रश्न 66	प्रश्न 66: कचरा बनकर, खाद के रूप में काम करना श्रेष्ठ है, अधकचरा बनने की अपेक्षा ।	सही	c
प्रश्न 67	प्रश्न 67: जेलर व कैदी कभी भी भाग सकते हैं ।	गलत	c
प्रश्न 68	प्रश्न 68: एकांत हमेशा पूर्ण है जबकि अनेकांत अपूर्ण की उपलब्धि कराने वाला हैं ।	गलत	c
प्रश्न 69	प्रश्न 69: वायुयान की गति की अपेक्षा अभियान की गति सहस्त्र गुनी होती है।	गलत	c
प्रश्न 7	प्रश्न 7: लोहा सोना हो, पारस से परन्तु, जंग लगा क्या ? शुद्ध आचरण वाला भक्ति से भगवान बन सकता हैं लेकिन ____ आदि से लिप्त कभी नहीं ।	व्यसन	c
प्रश्न 70	प्रश्न 70: रोजगार के विषय में उत्तम खेती, मध्यम व्यापार और जघन्य नौकरी कहा है।	सही	c
प्रश्न 71	प्रश्न 71: गुरु कृपा से बांसुरी बना मैं तो ठेठ बांस था इसमें गुरुजी ने स्मरण किया है	अपने गुरु के उपकारों का	c

प्रश्न 72	प्रश्न 72: वे चल बसे, यानी यहां से जाकर बसे वाला हाइकु पूज्य गुरुदेव ने कौनसे तीर्थंकर के कल्याणक के समय दिया था	नेमि नाथ	c
प्रश्न 73	प्रश्न 73: मध्य रात्रि में किससे आकार कौन मिला था	राम से आकर विभीषण	c
प्रश्न 74	प्रश्न 74: वक्त वक्त पे जिससे बचना है वह है?	कषाय और मद	c
प्रश्न 75	प्रश्न 75: जीना तो चाहुँ.....वाले हाइकु में आचार्य श्री ने जीना शब्द का प्रयोग किया है	तीन बार	c
प्रश्न 76	प्रश्न 76: ताना बाना वाले हाइकु में पूज्य आचार्य श्री संदेश देना चाहते है	उपरोक्त सभी	c
प्रश्न 77	प्रश्न 77: हाइकु रचयिता, एक हाइकु में भावना कर रहे हैं कि "शीर्ष जा बैठूं" इसका तात्पर्य है कि मैं विराजमान हो जाऊँ :-	सिद्ध शिला पर	c
प्रश्न 78	प्रश्न 78: जिस प्रकार परीक्षा में मुख्य प्रश्न और ऐच्छिक प्रश्न हल करने होते हैं उसी प्रकार साधना पथ में-	मूलगुण और उत्तरगुण होते हैं	c
प्रश्न 79	प्रश्न 79: कौन सा सम्यकदर्शन अमिट रहता है ?	क्षायिक	c
प्रश्न 8	प्रश्न 8: धूम्र से बोध, अग्नि का हो ___ से, सो आत्म बोध।	गुरु	c
प्रश्न 80	प्रश्न 80: मूलगुण में आता हैं -	इनमे से कोई नहीं	c
प्रश्न 81	प्रश्न 81: अज्ञान की पीड़ा में जो प्रसन्नचित्त रहते हैं वह जीतते हैं -	अज्ञान परिषह को	c
प्रश्न 82	प्रश्न 82: घट बढ़ में..... इस हाइकु में बढ़ शब्द बता रहा हैं	उत्पाद को	c
प्रश्न 83	प्रश्न 83: आचार्य श्री द्वारा रचित हाइकु में दूर व निकट वाली बात में जिसका उल्लेख है वह हैं -	अपनापन हथकरघा	c
प्रश्न 84	प्रश्न 84: लोकतंत्र का आदर्श है	इनमें से कोई नहीं	c

प्रश्न 85	प्रश्न 85: एक हाइकु के भावार्थ में उदधृत प्रसंग पर मूकमाटी महाकाव्य में लिखा है कि रोगी की मृत्यु होती	बार बार खाने से	c
प्रश्न 86	प्रश्न 86: गुरुजी एक हाइकू में कहते है कि शाश्वत बनने के लिए यह भावना भानी होगी -	मैं स्वस्थ्य हूँ	c
प्रश्न 87	प्रश्न 87: अपने में आने के लिए,एकाकी रहना आवश्यक होता है इस हेतु	जन संपर्क से दूर रहना होगा	c
प्रश्न 88	प्रश्न 88: विश्वमैत्री व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना जागृत होने के लिए आवश्यक है । इस भाव को लेकर आचार्य श्री एक हाइकु में कहते है कि	अहं का गलन	c
प्रश्न 89	प्रश्न 89: एक हाइकु मे गुरुजी दिन-रात से, विलक्षण लक्षण बतला रहे है-	ऊषा का	c
प्रश्न 9	प्रश्न 9: खाल मिली थी, यहीं मिट्टी में मिली, ____ जाता हूँ।	खाली	c
प्रश्न 90	प्रश्न 90: आचार्य श्री ने "हाँ की कुबत देखो" वाले हाइकु को बड़े बाबा के बड़े महोत्सव के दौरान अवगत कराया उस समय कौन से पर्व का प्रसंग था?	बसंत पंचमी	c
प्रश्न 91	प्रश्न 91: _____ कभी भी, दूसरों के नीड़ों में, घुसते नहीं।	पक्षी	c
प्रश्न 92	प्रश्न 92: अपमान को, सहता आ रहा है, ____ के लिए।	मान	c
प्रश्न 93	प्रश्न 93 : तेरा सत्य है, भविष्य के गर्भ में, ____धो ले।	असत्य	c
प्रश्न 94	प्रश्न 94: दायित्व भार, कंधो पर आते ही, ____ आ जाती ।	शक्ति	c
प्रश्न 95	प्रश्न 95: ____ भी देखो, पिछलग्गू न बनो, पीछे रहोगे।	पीछे	c
प्रश्न 96	प्रश्न 96: घर की ___, घर तक ही रहे।, बे-घर न हो।	बात	c
प्रश्न 97	प्रश्न 97: मन अपना, अपने_____में, क्यों न सोचता ?	विषय	c

प्रश्न 98	प्रश्न 98: _____ को नहीं, प्रभु को देखूँ तभी, मुस्कान बाटूँ।	औरों	c
प्रश्न 99	प्रश्न 99: बहुत मीठे, बोल रहे हो अब !, ____ सुधारो।	मात्रा	c

प्रश्न 31 का सही उत्तर " इनमें से कोई नहीं" , शांत मन और स्थिर मन लिखने वालों को भी सही कर दिया हैं

आचार्य ज्ञानसागर प्रतियोगिता पंजीकरण प्रारंभ

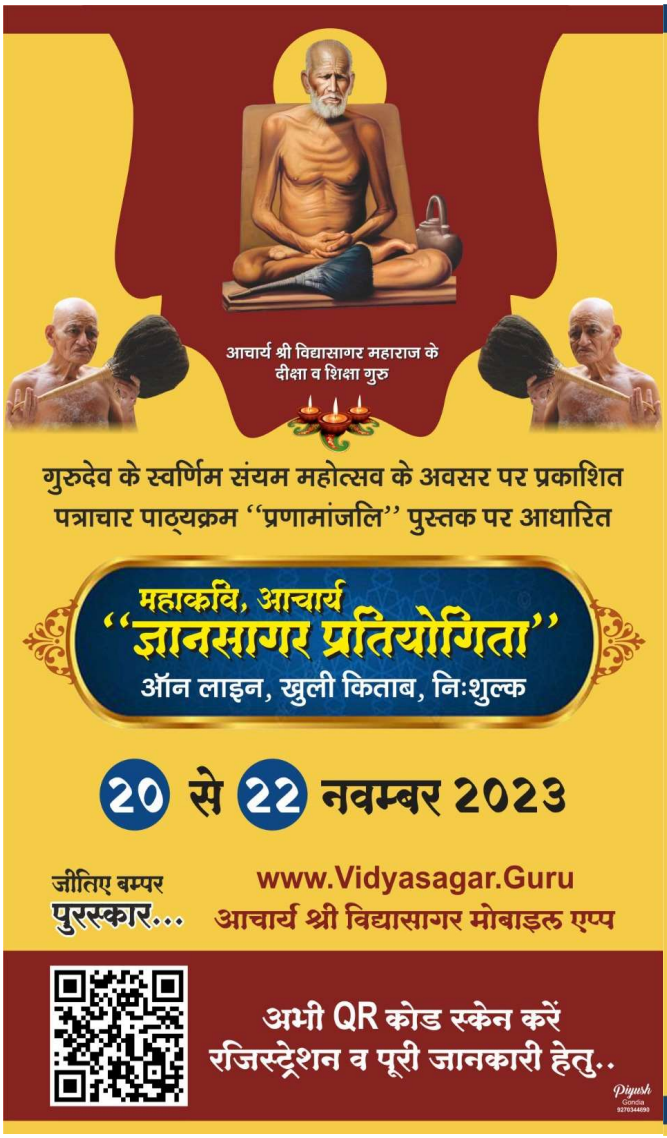

संयम स्वर्ण महोत्सव 2017 पर प्रकाशित
पत्राचार पाठ्यक्रम पुस्तक ''प्रणामांजलि''
पर आधारित

आचार्य ज्ञानसागर प्रतियोगिता

www.Vidyasagar.Guru

ऑन लाइन, खुली किताब, निःशुल्क

सोम. 20 से बुध. 22 नवम्बर 2023 तक

फ्री डाउनलोड करें या
वेबसाइट से सीधे पढ़े।

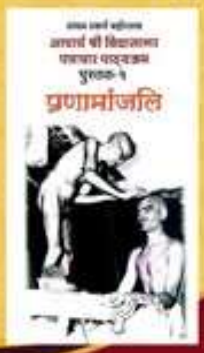

QR कोड स्केन करें
रजिस्ट्रेशन व जानकारी हेतु...
www.Vidyasagar.Guru
आचार्यश्री मोबाइल ऐप्प

जीतिए
बम्पर
पुरस्कार

36 पुरस्कार लेने पहुँचिए गुरु चरणों में 36 गढ़

''आचार्य पदारोहण दिवस''

बुधवार, 29 नवम्बर दोप. 1 बजे

Whatsapp चैनल को qr कोड स्कैन कर फॉलो करें

आचार्य श्री विद्यासागर

Whatsapp Channel

चैनल को फॉलो करें : बेल आइकान दबाएँ

WWW.VIDYASAGAR.GURU

WHATSAPP CHANNEL

आचार्य श्री विद्यासागर
Whatsapp Channel
को फॉलो करें

www.VidyaSagar.Guru | आचार्य श्री विद्यासागर | vidyasagar.guru | आचार्य श्री विद्यासागर
आचार्य श्री विद्यासागर | @vidyasagar_guru | +91 87695 67080